बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान के मुख्य संरक्षक श्री एन.पी. भार्गव सा. ने गौरी योजना से लाभान्वित विधवा महिलाओं के बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेने की घोषणा की है..... आभार......

तारांशु

मासिक अप्रैल, 2014

मूल्य - 5 रुपये वर्ष 2, अंक 9, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

- आशीर्वाद -

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

- आभार -

श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

तारा संस्थान द्वारा प्रथम होली मेला समारोह के आयोजन पर खान-पान सेवा काउण्टर्स पर आनन्द लेते परम श्रद्धेय डॉ. कैलाश 'मानव', आनन्द वृद्धाश्रम आवासी व तारा संस्थान परिवार

अनुक्रमणिका

विषय		पृष्ठ क्रमांक
प्रथम होली मेला समारोह के दृश्य	-	*02*
अनुक्रमणिका	-	*03*
नज़रिया	-	*04*
एक सुन्दर सी जोड़ी	-	*05*
गौरी योजना	-	*06*
तृप्ति योजना	-	*07*
आनन्द वृद्धाश्रम से	-	*08*
ऑपरेशन से लाभान्वित रोगियों के उद्‌गार	-	*09*
मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन - चयन शिविर	-	*10-13*
हमारे अतिथि	-	*14*
दानदाताओं का अभिनन्दन	-	*15-16*
Our Contacts	-	*17*
We are grateful to them	-	*18*
Our Chief Patron Visits Tara Sansthan	-	*19*

आशीर्वाद डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक – नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

तारांशु मासिक, अप्रैल, 2014

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

नज़रिया

एक माँ अपने बच्चे से परेशान थी। वह किसी भी तरह के भोजन में कोई रुचि न लेता था। और हर तरह के भोजन में कुछ–न–कुछ आलोचना, शिकायत खड़ी कर देता था। वह किसी तरह के वस्त्रों में भी कोई रुचि न लेना था, और हर तरह के वस्त्रों में कोई–न–कोई भूल – चूक खोज लेता था। वह किन्हीं मित्रों में भी कोई रुचि न लेता था, और हर मित्र में कोई न कोई खराबी खोज लेता था। उसकी माँ घबरा गई। उसका भविष्य सुखद न था। जिसकी दृष्टि हर जगह भूल ही और अंधकारपूर्ण पक्ष को खोज लेने की हो उसका जीवन नरक हो जाएगा। वह घबड़ाई, उसे एक मनोवैज्ञानिक के पास ले गई। सबसे बड़ा प्रश्न तो उसके भोजन का था। क्योंकि उसने भोजन करना ही बंद कर दिया था। हर चीज में – दूध में उसे बास आती थी, रोटियाँ उसे पसंद न थी; इस चीज में यह खराबी थी, उस चीज में वह खराबी थी। और सब तो ठीक था, लेकिन भोजन के बिना तो जीना भी कठिन है। वह एक बड़े मनोवैज्ञानिक के पास ले गई।

उस मनोवैज्ञानिक की बड़ी ख्याति थी। वह न मालूम कैसे–कैसे विक्षिप्त लोगों को भी ठीक कर चुका था। यह तो एक छोटा सा बच्चा था, अभी जीवन की शुरूआत थी। इसे ठीक करने में कौन–सी कठिनाई होने वाली थी। उस मनोवैज्ञानिक ने उस बच्चे को बहुत तरह से समझाया। भोजन की खूबियाँ समझाईं, फायदे समझाए, बहुत अच्छी–अच्छी मिठाइयाँ बुलवाई, उस बच्चे के सामने रखीं, लेकिन उसने कोई–न–कोई आलोचना निकाल दी। आलोचक था जन्मजात, उसने कोई–न–कोई बात निकाल दी कि इसमें ये भूल है, इसका रंग मुझे पसंद नहीं है, इसकी बास मुझे पसंद नहीं। इसे खाऊँगा तो वमन हो जाएगा।

मनोवैज्ञानिक भी थोड़ा घबड़ाया, लेकिन उसकी माँ के सामने वह यह बताना नहीं चाहता था कि मैं घबड़ा गया हूँ इस छोटे से बच्चे से। आखिर उसने उसी से पूछा कि फिर तू ही बता, इस जमीन पर कोई भी चीज तुझे खाने जैसी लगती है? उसने कहा : हाँ, मैं केंचुए खाना पसंद करूंगा। वह भी घबड़ाया कि... माँ भी घबड़ाई, केंचुए वर्षा में, बाहर वर्षा के दिन थे और केंचुए बाहर थे। मनोवैज्ञानिक उससे हारना नहीं चाहता था। उसने सोचा कि शायद यह केंचुए खाने की बात कह कर मुझे डराना भर चाहता है, खाएगा कैसे?उस बच्चे से हारना नहीं चाहता था। वह बाहर गया और एक प्लेट में दस–पंद्रह केंचुए वर्षा से उठा कर ले आया। उस बच्चे के सामने रखे। उस बच्चे ने कहा : ऐसे नहीं, मैं तले हुए केंचुए खाना पसंद करूंगा। आपको शर्म नहीं आती, गैर–तली हुई चीज मुझे देते हैं? नहीं हारना चाहता था वह मनोवैज्ञानिक। वह बेचारा गया, उन केंचुओं को तल कर लाया। उसके प्राण खुद घबड़ा रहे थे कि क्या कर रहा है?

लेकिन उस बच्चे को वह चाहता था किसी भी तरह निकटता में ले ले, घनिष्टता बन जाए, उसकी कोई माँग पूरी हो जाए तो शायद वह मेरी बातें समझ सके। वह केंचुए लेकर आया : उस बच्चे ने कहा : इतने नहीं, मैं केवल एक केंचुआ खाना पसंद करूंगा। वह बाहर गया सारे केंचुए फेंक कर एक केंचुआ ले आया। उसके सामने प्लेट पर रखा और कहा : लो खाओ। उसने कहा : क्या मैं अकेला खाऊंगा, आधा आप खाइए। नहीं हारना चाहता था वह, केंचुआ खाने का जरा भी मन नहीं था। प्राण घबड़ा रहे थे, लेकिन उस बच्चे को जीतना जरूरी था। तो उसने आधा केंचुआ खा गया किसी तरह आंख बंद करके। और तब उसने बड़े गुस्से से उससे कहा : क्योंकि उसने केंचुआ उसको खिलवा दिया था, उस बच्चे से कहा : अब खाओ। बच्चा रोने लगा। उसने कहा : आपने मेरा आधा वाला, मेरा आधा वाला खा लिया। यह आपका आधा वाला है, अपने मेरा हिस्सा खा लिया। उस मनोवैज्ञानिक ने हाथ जोड़े और उसकी माँ से कहा : यह लाइलाज है, इसका इलाज करना बहुत मुश्किल है। इसे दिखाई ही नहीं पड़ता कुछ, सिवाय शिकायत के।

हममें से भी बहुत लोग हैं जिन्हें जीवन में सिवाय शिकायत के और कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। जीवन का कसूर नहीं है इसमें, हमारा ही कसूर है। हमारे देखने का ढंग गलत है। हमारी दृष्टि भूल भरी है। एक आदमी चाहे तो गुलाब के फूल के एक पौधे के पास खड़ा होकर देख सकता है। ईश्वर की निंदा कर सकता है। क्रोध से भर सकता है। दुख और चिंता से... कैसी है यह दुनिया, मुश्किल से एकाध फूल लगता है, और हजार कांटें होते हैं?हजार कांटों में एक फूल के लिए कौन खुश होगा? तो कोई देख सकता है कि हजारों काँटें हैं, और एक फूल है इसमें खुशी की बात क्या है?

लेकिन कोई दूसरा व्यक्ति यह भी देख सकता है : कितनी अद्भुत है यह दुनिया। जहाँ हजार काँटें लगते हैं, वहाँ भी एक फूल के पैदा होने की संभावना है। कोई ऐसा भी देख सकता है। और इस देखने के ऊपर निर्भर करेगा उनके पूरे जीवन का ढाँचा। उनके पूरे जीवन की गतिविधि।

कल्पना गोयल

एक सुन्दर सी जोड़ी.....

आज से लगभग ढाई वर्ष पहले.... तारा संस्थान प्रारंभ ही हुआ था और तारा के प्रथम Eye Hospital "तारा नेत्रालय", उदयपुर के उद्घाटन की दिनांक 6 अक्टूबर, 2011 निर्धारित की जा चुकी थी... दानदाताओं को निमंत्रित करने हेतु फोन हो रहे थे.... ऐसे ही एक फोन से हमारी कार्यकर्त्ता ने शमा जी सचदेवा से बात की.... उन्हें सब कुछ बताया तो उन्होंने आने की इच्छा जाहिर की और कहा कि इस नये कार्य हेतु वे अच्छा सहयोग भी देंगे उनकी बात कल्पना जी से कराई गई और उन्होंने कहा कि वे रमेश जी सचदेवा के साथ उद्घाटन कार्यक्रम में अवश्य पधारेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे पास वक्त बहुत कम है सो उसी दिन सुबह की Flight से आएँगे और दोपहर की Flight से चले जाएँगे।

6 अक्टूबर, 2011 को सुबह 5.20 बजे की दिल्ली उदयपुर Flight पकड़ने के लिए श्री रमेश जी व शमा जी एयरपोर्ट पहुँचे पर वे थोड़ा सा Late हो गए और उनकी Flight छूट गई। उन्होंने एयरपोर्ट से ही मुझसे बात की हम लोग नहीं आएँ तो! जैसा मुझे याद है मैंने कहा था कि आप लोग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैं और आपके आने से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ेंगी तो यदि संभव हो तो अगली Flight से आ जावें।

उन्होंने कल्पना जी से भी बात की तो कल्पना जी ने उन लोगों को आने के लिए स्पष्ट मना किया क्योंकि अगली Flight 10 बजे की थी और उन्हें 4–5 घंटे एयरपोर्ट पर ही बिताने पड़ते और उदयपुर आकर 2 घंटे बाद ही उनकी वापसी की Flight थी। कल्पना जी का उनको मना करने का निर्णय साहस वाला था क्योंकि वे न सिर्फ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे वरन उनसे तारा को दान की भी उम्मीद थी और जब हम एक बड़ा खर्च नया हॉस्पीटल खोलकर करने जा रहे थे ऐसे में बड़े दानदाता को मना करना मुश्किल काम था।

लेकिन वे दोनों नहीं माने, वे आए बड़ा दान भी दिया और हम सभी को अपने प्रेम से गद्गद् कर दिया। जब भी कभी विचार आता है कि इस क्षेत्र में कार्य करके क्या पाया, तो निश्चित तौर पर असहाय वृद्ध लोगों के चेहरे पर तारा के माध्यम से दी गई मदद से आए सुकून के बराबर ही उन सैकड़ों हजारों लोगों का निश्चल प्यार और आशीर्वाद पाया है जिन्होंने हम पर विश्वास कर अपनी मेहनत और बुद्धिमता की कमाई दे दी कि हम इसका सदुपयोग करेंगे....

बाद में रमेश जी व शमा जी से हम दिल्ली में मिले दिल्ली हॉस्पीटल को खोलने के लिए भवन किराए पर लेने की बात आई तो रमेश जी ने अपनी एक जगह जो कि Prime Commercial Location पर थी बिना किराए देने का प्रस्ताव रखा.... जो कि उनके बड़े दिल को दर्शाता है.... लेकिन हमने विनम्रता से मना कर दिया।

शमा जी से कल्पना जी की बहुत बात होती रही वे लोग एक बार फिर आनन्द वृद्धाश्रम के उद्घाटन पर उदयपुर आए फिर दिल्ली के तारा नेत्रालय के उद्घाटन के अवसर पर भी पधारें। समय समय पर तारा की हरसंभव मदद की यहाँ तक कि अपने मित्रों, परिवार वालों से भी सहयोग दिलाया।

कुछ माह पूर्व शमा जी के स्वास्थ्य में कुछ गंभीर समस्या आई लेकिन ईश्वर की कृपा से अभी वे पूर्णतया स्वस्थ हैं।

तारा संस्थान और हम सभी इस सुन्दर सी जोड़ी जो कि मन से भी उतनी ही सुन्दर है जितनी तन से, को तारा परिवार का हिस्सा मानकर गौरव की अनुभूति करते हैं।.....

दीपेश मित्तल

गौरी योजना

बसु देवी की आयु 40 वर्ष है। ये गाँव – फुटाला, तहसील – खेरवाड़ा, जिला – उदयपुर की रहने वाली हैं। इनके पति का फरवरी, 2014 में कुएँ में गिरने से निधन हो गया। इनके अल्पवयस्क 3 पुत्र व पुत्रियाँ हैं। वृद्ध सास–ससुर की जिम्मेदारी भी इन्हीं के ऊपर है। बच्चों का भरण–पोषण बहुत मुश्किल हो रहा था। मजदूरी करके भी इतना नहीं कमा पाती की पूरे परिवार को भरपेट भोजन मिल सके। आय का अन्य कोई साधन नहीं है। अत्यन्त दयनीय अवस्था में है। इनके किसी परिजन ने तारा संस्थान को इनकी स्थिति से अवगत करवाया। तारा संस्थान ने इन्हें गौरी योजना के अन्तर्गत आर्थिक सहायता देना प्रारम्भ किया है।

उर्मिला कीर्ति कछेला, राजानगर, नाला सोपारा (पूर्व) थाणे (महाराष्ट्र) की रहने वाली है। इनकी आयु – 55 वर्ष है। ये अकेली ही हैं। पति और पुत्र का किडनी की बीमारी से निधन हो गया। कमजोरी के कारण कोई मेहनत–मजदूरी भी नहीं कर पाती। दो समय भर पेट भोजन की भी सुविधा नहीं है। तारा संस्थान के मुम्बई शाखाध्यक्ष श्री एस.एन. शर्मा को इनकी जानकारी मिलने पर श्री शर्मा ने तारा संस्थान को इनकी सहायता के लिए अनुशंसा की। तारा संस्थान ने इनको राहत देने की दृष्टि से गौरी योजना में सम्मिलित करके इन्हें 1000 रुपया प्रतिमाह आर्थिक सहायता देना प्रारम्भ किया है।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान–सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

मित्र, स्वयं को अनुशासन में मत बाँधो। वास्तविक अनुशासन, बंधनों से नहीं, वरन् विवेक के जागरण और मुक्ति से आता है।

तृप्ति योजना

धुलानाथ रावल की आयु 62 वर्ष है। ये जोगीवाड़ा, बारापाल, जिला – उदयपुर के निवासी हैं। इनके 2 विवाहित पुत्रियाँ व एक 13 वर्षीय पुत्र तथा पत्नी है। कमजोर स्वास्थ्य के कारण कुछ काम नहीं कर पाते हैं, अतः पत्नी, पुत्र तथा स्वयं का भरण–पोषण करने में बहुत कठिनाई हो रही है। इन्हें कहीं से कोई सहायता नहीं मिलती है। इनकी कठिनाइयाँ जानकर तारा संस्थान ने इन्हें तृप्ति योजना के अन्तर्गत प्रतिमाह खाद्य–सामग्री सहायता देना प्रारम्भ किया है। इनकी पत्नी रतन बाई बताती है कि तारा संस्थान की सहायता से इन्हें भूख की चिंता से राहत मिली है।

मेहता बाई 54 वर्षीया, भीलों की मगरी, सलुम्बर, जिला – उदयपुर में रहती है। इनके रहने का कोई आश्रय नहीं है तथा भोजन की व्यवस्था भी नहीं है। अकसर बीमार रहने वाली मेहता बाई के झोपड़े पर छत भी नहीं है। 1 बेटा है पर उसकी मजदूरी से भरण–पोषण नहीं हो पाता है। प्रायः दो वक्त का पर्याप्त भोजन भी नसीब नहीं होता। तारा संस्थान ने इनकी हालत देखकर इन्हें तृप्ति योजना में खाद्य–सामग्री सहायता पहुँचाना प्रारम्भ किया है, जिससे इन्हें काफी राहत महसूस हो रही है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/– मूल्य
की खाद्य–सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है।
आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य–सामग्री सहयोग–सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

आनन्द वृद्धाश्रम के नये आवासी

श्री सत्यनारायण दशोरा, आयु 65 वर्ष, गाँव – सुसारी, तहसील – कुकसी, धार (म.प्र.) के निवासी हैं। ये 3 भाई व 4 बहनें हैं। ये इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करना चाहते थे, पर भाई–बहनों के असहयोग और उपेक्षा के कारण ये अपनी शिक्षा पूरी नहीं कर सके। परिवार–जनों की उपेक्षा के कारण इनका विवाह भी नहीं हो सका। जहाँ कहीं भी गुजर–बसर योग्य काम मिलता, ये वहीं रह कर अपना पेट पालते रहे। परिजनों से इनका कोई सम्पर्क नहीं है। एक छोटी बहन है, जो जब–तब इनका हाल पूछ लेती है। दुर्घटना में इनका पैर क्षतिग्रस्त हो गया, पर आर्थिक अभाव में अपना इलाज भी नहीं करवा पाये। शारीरिक रूप से अक्षम होने के कारण कुछ भी काम करने में असमर्थ हो गये और दो समय का भर पेट भोजन जुटाना भी असम्भव हो गया। इन्हें आनन्द वृद्धाश्रम की जानकारी मिली, तो ये यहाँ आ गये। तारा संस्थान ने इन्हें भोजन, वस्त्र, आवास आदि की निःशुल्क सुविधा के साथ आश्रय दिया है।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा नि:शुल्क हैं।

वृद्धाश्रम

दूर पेड़ के नीचे एक वृद्ध,
अपनी झुरियों को देखता,
और पढ़ने की कोशिश करता,
अपने बीते अनुभवों को!
झुरियों में तलाश रहा, बीते कल को,
जो कभी उसका अपना था!
एक–एक सलवटो को फैलाता,
और ढूँड़ता अपनी खो गयी खुशियाँ को
पर जैसे ही हाथ हटाता
लौट आती हकीकत एक घिनौना सच!
अपनी धुंधली पढ़ गयी रोशनी से
तलाश रहा अपनो को!
दूर आता देख किसी को,
आँखों को समेट लेता,
इस उम्मीद में की शायद कोई अपना हो,
जो छोड़ कर उन्हें पीछे, खुद आगे निकल गये,
पर ये मृग मीरीचिका जैसा है,
जो कभी हकीकत नहीं हो सकता!
आज भी आँखों से ''पानी'' बहता है
''हाँ'' पानी तो है, क्योंकि इसमें भाव नहीं है
आँसू में तो दर्द या खुशियाँ छिपी होती है
पर आज जो बह रहा है
वो भावहीन है – बस पानी है,
अपने लड़खड़ाते कदमो से,
कुछ दूर चलने का प्रयास करता,
और हाथ आगे बढ़ाता,
पकड़ लेने को कोई सहारा,
पर हाथ खाली रह जाता है,
क्योंकि उसका सहारा अपने आज में जी रहा है,
और अपने बीते कल में जिसमें ये वृद्ध बस्ता था,
कब का पीछ छोड़ चुका है!
उम्र के इस पड़ाव में बड़ा मन करता है,
की अपने पास हो और सहारा बने,
पर इस तेज भागती जिन्दगी में,
इन लड़खड़ाते कदमों के साथ,
चलना शायद मुस्किल लगता है,
और शायद संतुलन बिगड़ जाता है,
इसलिए इन्हे, ठहरा कर आगे बढ़ गये,
ये भूल कर के की उनके कदम भी,
आखिरकार उन्हें यही ले आएँगे एक दिन!
यही,..... समाज का एक कड़वा सच है,
जहाँ भावनाए छोटी पड़ जाती है,
जहा मानवता हार जाती है,
जहाँ अहसास खत्म हो जाते है,
फिर भी इस कड़वे सच की संख्या
बढ़ती जा रही है – रिश्ते मरते जा रहे है
आखिर क्यों................?
डॉक्टर राजीव श्रीवास्तव

मोतियाबिन्द ऑपरेशन से लाभान्वित रोगियों के उद्गार

श्री हीरालाल पिता ऊँकार जी, गुडेल तहसील सलुम्बर, जिला – उदयपुर के रहने वाले हैं। 60 वर्षीय हीरालाल को लगभग 1 वर्ष से बाई आँख से दिखाई देना कम हो रहा था। ये अपनी आँखों का आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इलाज नहीं करवा सके और इन्हें एक आँख से दिखना लगभग बन्द हो गया। इसी बीच इनके गाँव के निकट तारा संस्थान द्वारा आयोजित कैम्प में जाँच करवाई, तो पाया कि इन्हें मोतियाबिन्द है इन्हें उदयपुर लाकर तारा नेत्रालय में 3 मार्च को इनका ऑपरेशन करवाया गया। 8 मार्च व 29 मार्च को एक और जाँच के लिए इन्हें बुलाया गया। जाँच के बाद इनकी दृष्टि ठीक पाई गई और ये अब अच्छी तरह देख सकते हैं। ये बताते है कि इनका एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ। ऑपरेशन के लिए आना–जाना, दवाइयाँ, लैन्स, भोजन आदि सभी सुविधाएँ तारा नेत्रालय में निःशुल्क प्राप्त हुई। अपनी खोई हुई दृष्टि पुनः पाकर श्री हीरालाल जी बहुत प्रसन्न हैं और दानदाताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

शंकर लाल जी लौहार 75 साल के हैं। ये भी गुडेल, तहसील – सलुम्बर के ही रहने वाले हैं। इनकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त कमजोर है। इन्हें 4–5 साल से मोतियाबिन्द की तकलीफ थी। दिखाई देना धीरे–धीरे दाई आँख में बन्द हो गया। 2–3 बार ये इलाज के लिए डॉ. के पास गये। ये इलाज के लिए 5–7 हजार रुपये का प्रबन्ध करने में असमर्थ रहे और अपने आप को भगवान भरोसे छोड़ दिया। तारा संस्थान के शिविर की जानकारी मिली, तो ये भी बिना किसी खास उम्मीद के शिविर में पहुँच गये। जब डॉक्टर ने जाँच के बाद कहा कि ऑपरेशन करवा लो, पुनः दिखाई देना सम्भव हो जायेगा और पैसा भी खर्च नहीं होगा। इन्होंने पूछा कि इलाज का खर्चा कौन देगा? इन्हें बताया गया कि दानदाताओं से मिलने वाले दान से आपका ऑपरेशन होगा, तो ये तैयार हो गए। 3 मार्च को इनका ऑपरेशन करवाया गया। 29 मार्च को जाँच के बाद इन्होंने बताया कि अब इन्हें पूरी तरह दिखाई देता है। तारा संस्थान द्वारा सभी सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई, इलाज एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ। अब ये बहुत प्रसन्न हैं और दानदाताओं को आशीर्वाद देते हैं।

आप खुश होंगे, तो लोग आपके पास आएँगे
आप दुखी होंगे तो वे आँखें चुराएँगे
वे आपकी सारी खुशियाँ बाँटना चाहते हैं
मगर उन्हें आपका दुख नहीं चाहिए

अगर आप खुश हैं तो आपके बहुत सारे दोस्त होंगे
आपके दुखी होने पर वे आपसे किनारा कर लेंगे –
आपके मधुरतम पैग को कोई नहीं नकारेगा
मगर जिंदगी के कड़वे घूँट आपको अकेले ही पीने पड़ेंगे।

संकट के समय में भी साहस दिखाना, लालच के सामने आत्मसंयम दिखाना, दुख की घड़ी आने पर भी खुश रहना, निराशा सामने होने पर चरित्र दिखाना, और बाधाओं में भी अवसर की तलाश करना – ये गुण सिर्फ संयोग या किस्मत से नहीं आते, बल्कि ये तो शारीरिक और मानसिक रूप से की गई लगातार प्रैक्टिस का नतीजा है। कठिनाई के सामने आने पर हमारा व्यवहार हमारी प्रैक्टिस के मुताबिक ही सकारात्मक, या नकारात्मक होगा।

टेलीविजन ने हमारे नैनिक मूल्यों, सोचने के ढंग और संस्कृति पर काफी हद तक अच्छा, या बुरा असर डाला है। जहाँ उसनें हमें बहुत–सी अच्छी और फायदेमंद सूचनाएँ दी है, वही यह हमारी रुचियों में घटियापन भी लाया है, इसने हमारी नैतिकता को भ्रष्ट किया है, और बच्चों में अपराध की प्रवृत्ति को बढ़ाया है। 18 साल की उम्र तक बच्चे टेलीविजन पर हिंसा के लगभग दो लाख सीन देख चुके होते हैं।

मोतियाबिन्द जाँच -ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

श्रीमती सीमा मिश्रा, दिल्ली

श्री रूपक, मुम्बई

श्री हरीष शर्मा, उदयपुर

श्रीमती गुजराती, मुम्बई

दानदाताओं के सौजन्य से – 28 फरवरी, 2014 से 29 मार्च, 2014 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
25.03.2014	श्री बंकट लाल जी अग्रवाल, निवासी – चैन्नई	117	11

अन्य स्थानों पर आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
23.03.2014	श्री विपिन भाई कन्सारा, निवासी – नवसारी, गुजरात	155	08

तारा नेत्रालय, नवादा, दिल्ली में आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
07.03.2014	श्रीमती कार्तिका कोहली – श्री वरुण खन्ना, नई दिल्ली	110	03

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
08.03.2014	ओम नमः षिवाय	108	04

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
02.03.2014	श्री रूप नारायण जी जोशी–कृतिक एवं अर्पित, निवासी–पवई, मुम्बई	90	10

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
29.03.2014	औदित्य परिवार एवं वैंकटेश कलेक्शन निवासी – जी.टी.बी. नगर, मुम्बई	95	08

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.

चश्मा जाँच – चश्मा वितरण – दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर – 21000 रु.

दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविरों के विवरण व फोटोग्राफ्स

1. 'तारा' संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन द्वारा श्री मोतीराम सिंघल का सम्मान

2. रोगी बन्धु षिविर में पंजीकरण करवाते हुए

3. चिकित्सक द्वारा जाँच हेतु प्रतीक्षा में रोगी बन्धु

4. षिविर में उपस्थित रोगी बन्धु

5. षिविर में उपस्थित अतिथि महानुभावों का सम्मान

6. चिकित्सक द्वारा महिला रोगी के नेत्रों की जाँच

7. षिविर में जाँच के लिए उपस्थित रोगी बन्धु

8. रोगी बन्धु के नेत्रों की चिकित्सक द्वारा जाँच

9. षिविर में सम्मानित अतिथि महानुभाव

10. श्रीमती दर्षनी देवी जैन द्वारा रोगी बन्धु को चष्मा–उपहार

11. सम्मानित अतिथि महानुभाव षिविर में

12. 'तारा' संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन, श्रीमती सुषभा जैन, श्री राजेष वर्मा व श्री पंकज जैन षिविर में

पृष्ठ–11-12 के फोटो वाले शिविरों के विवरण व फोटोग्राफ्स

क्र.सं.	शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
1.	28.02.2014	श्री मोतीराम सिंघल, प्रीत विहार, दिल्ली 92	विकास मार्ग, दिल्ली	382	06	211	349
2.	02.03.2014	श्री एस.एन. बंसल, निवासी – दिल्ली	हनुमानगढ़ (राज.)	279	26	80	200
3.	03.03.2014	षिव मेटालोट्स इंटरनेषनल लि. – दिल्ली 6 एवं श्री मदन लाल जी दुग्गल – दिल्ली 10	गाँधीनगर, दिल्ली	575	15	315	425
4.	03.03.2014	श्रीमती शषीजनी, भारत पेट्रौलियम (आदर्ष सर्विस स्टेषन, विलेपार्ले (ई.), मुम्बई)	बोरीवली (ई.), मुम्बई	187	36	57	80
5.	05.03.2014	श्रीमती ममता सर्राफ श्री राजसर्राफ (यूएसए) इनरव्हील क्लब दिल्ली यूनि. डिस्ट्र., आइना फाउ., दिल्ली	श्रीराम चौक के पास, दिल्ली 52	820	28	515	865
6.	06.03.2014	सुभाष चन्द्र जी मल्होत्रा, पहाड़गंज, दिल्ली 55 एवं कुमारी किरण जैन, रोहिणी, दिल्ली 85	रोहिणी, दिल्ली	272	15	195	245
7.	07.03.2014	श्री प्रवीण जी – श्री धीसुलाल जी, मुम्बई	भाईन्दर (वे.), मुम्बई	217	81	87	157
8.	08.03.2014	श्री अनुप जी अग्रवाल, मलाड, मुम्बई	मलाड (पूर्व), मुम्बई	357	69	167	187
9.	09.03.2014	बाला जी बस सेवा, अध्यापक नगर, नांगलोई	नांगलोई, दिल्ली 41	937	15	848	926
10.	10.03.2014	श्रीमती दर्षनीदेवी जैन (देवकीमाता) धर्मपत्नी स्व. लाल वीरसैन जैन, दिल्ली	ऋषभ विहार, दिल्ली	344	08	180	310
11.	11.03.2014	श्रीमती कृष्णा यादव सहपरिवार, शकुरपुर गाँव, दिल्ली – 34	शकुरबस्ती, दिल्ली 34	525	18	196	508
12.	11.03.2014	श्रीमती सुषमाजैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, माताश्री – श्री पीयुष, श्री पंकज जैन, दिल्ली	पटपड़गंज, दिल्ली 92	705	13	350	690

दुनिया की सबसे अच्छी और सबसे सुन्दर चीजों को न तो देखा और न ही छुआ ही जा सकता है।
उन्हें दिल से महसूस किया जाना चाहिए।

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से
"The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

षिविर में रजिस्ट्रेषन कराते नेत्र रोगी

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
06 मार्च, 2014	गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा (रजि.), प्लोट नं. 181, नवघर रोड, भाईन्दर	263	15	65	135

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

कन्फैडरेषन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स द्वारा 27 फरवरी, 2014 को
'फिक्की ऑडिटोरियम' में आयोजित नेषनल ट्रेडर्स कन्वेंषन में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए
अंतर्राष्ट्रीय वैष्य महासम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष व संरक्षक (तारा संस्थान) श्री सत्यभूषण जैन

स्कूलों में एक पुरानी कहावत है कि चापलूसी मूर्खों की खुराक होती है, फिर भी कभी–कभी बुद्धिमान लोग इसे थोड़ा–सा खाने के लिए भूखे हो जाते हैं।

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री सचिन्द्र कुमार नाथ, कोलकाता

श्रीमती मंजू व परिजन, दिल्ली

डॉ. अरुण अग्रवाल, दिल्ली

श्री गोपाल शरण गर्ग, नारनौल, हरियाणा

श्री बसन्त लाल (हिमाचल प्रदेश)

सुरेन्द्र कुमारी प्रकाश (यू.एस.ए.)

एक लड़का नदी में डूब रहा था वह मदद के लिए चिल्लाया। एक आदमी, जो उधर से गुजर रहा था, नदी में कूद पड़ा, और उसने लड़के को बचा लिया। जब वह आदमी जाने लगा तो बच्चे ने कहा, ''धन्यवाद।'' उस आदमी ने पूछा, ''किस लिए?'' लड़के ने जवाब दिया, ''मेरी जिन्दगी बचाने के लिए।'' उस आदमी ने लड़के की आँखों में देखा और कहा, ''बेटा, जब तुम बड़े हो जाओ, तो इस बात को साबित करना कि तुम्हारी जिन्दगी बचाने लायक थी। ''

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री सत्यनारायण जिन्दल, विवेक विहार, दिल्ली

श्री सर्वेश कुमार राजपूत, शालीमार बाग, दिल्ली

श्री पी.के. बजाज, वेस्ट पंजाबी बाग, दिल्ली

श्री देवेन्द्र कुमार पंत, पड़पड़गंज, दिल्ली

श्री एस.पी. अग्रवाल, विकासपूरी, दिल्ली

श्री नरेश कुमार, लक्ष्मी नगर, दिल्ली

श्री रमेश अग्रवाल, ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली

श्री रमेश जी, नजबगढ़, दिल्ली

श्री रामजी दास, खानपुर, दिल्ली

श्री सुरेन्द्र कुमार, लाजपत नगर, दिल्ली

दिल्ली

श्री ओमप्रकाश अरोड़ा, आदर्श नगर, दिल्ली

श्री संजय कुमार जैन, हरियाणा

श्रीमती कान्ता पण्डित, बसंत विहार, दिल्ली

डॉ. कुमारी राजकुमारी, हापुड़, यू.पी.

श्रीमती कमला अरोड़ा, मयुर विहार – I, दिल्ली

श्रीमती कमला जी, शाहपुर जाट, दिल्ली

श्रीमती मंजू जी गुप्ता, मयुर विहार – III, दिल्ली

श्रीमती शीला रानी, वेस्ट पंजाबी बाग, दिल्ली

पुष्पेन्दर कौर, जनकपूरी, दिल्ली

श्रीमती कमला मैदान, विकासपुरी, दिल्ली

श्रीमती सुनीता अग्रवाल, रोहिणी, दिल्ली

श्रीमती मीरा – श्री आशीश बंसल, श्री जे.के. अग्रवाल, सरस्वती विहार, दिल्ली

श्री अभयराम जैन – श्रीमती सामो देवी, पीतमपूरा, दिल्ली

श्री सुरेन्द्र कुमार बजाज – श्रीमती अनिता कुमारी, साउथ एक्सटेंशन पार्ट – I, दिल्ली

श्री एम.डी. शर्मा – श्रीमती शांति देवी, सफदरजंग इन्कलेव, दिल्ली

श्री एवं श्रीमती सोहन लाल गहलोत, जोधपुर

श्री एवं श्रीमती राजेन्दर मंगला, फरीदाबाद

श्री एवं श्रीमती हेम सिंह गहलोत, जोधपुर

श्री वी.पी. गौड़ – श्रीमती संतोष गौड़, सफदरजंग इन्कलेव, दिल्ली

श्री मुकेष कुमार रंकावत, जोधपुर

श्री महावीर अग्रवाल, रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

जीवन कोई ऐसी समस्या नहीं हैं, जिसका कि उसके बाहर कोई हल खोजना है। जीवन का हल तो पूर्णता से जीने में ही मिल जाता है।

सबसे बड़ी मुक्ति है स्वयं को स्वयं मुक्त करना। साधारणतः हम भूले ही रहते हैं कि स्वयं पर हम स्वयं ही सबसे बड़ा बोझ और बंधन हैं।

मनुष्य को मनुष्यता बनी बनाई प्राप्त नहीं होती। उसे तो स्वयं ही निर्मित करना होता है। यही सौभाग्य भी है और यही दुर्भाग्य; सौभाग्य क्योंकि स्वयं के सृजन की स्वतंत्रता है, और दुर्भाग्य क्योंकि स्वयं को बिना निर्मित किए समाप्त हो जाने की संभावना भी है।

श्री स्वामी पुरुषोत्तम गिरी जी महाराज,
श्री कैलाष शांति सदन धाम, गुड़गाँव

बस कह दें शाबाश

ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, जो मुझे बना दे खास,
इतना सा ही काम करें, बस कह दे शाबाश!
न होने दें किसी के प्रयास का परिहास,
बंधी रहने दें सबके दिलों में जीत की आस,
न दें पायें कुछ ज्यादा, तो ना दें,
कंधे पे हाथ रख के, बस कह दें शाबाश!

प्रस्तुति, सोनम बी. सलुजा, फरीदाबाद

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

पारस

'पारस' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

आस्था भजन

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)

'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688
Shri Bharat Menaria Cell : 08879199188

Delhi Office
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar,
Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Office
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006, 09414473392

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR),
09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806,
09649999540

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 08882662492,
09602554991

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 09602506303, 09887839481

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. number, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

सच कठोर हुए बिना भी बोला जा सकता है, लेकिन ऐसा कर पाना हमेशा संभव नहीं होता। एक ईमानदार दोस्त की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है कि वह सच्चा हो। कुछ लोग कड़वे सच से बचने के लिए ऐसे चापलूस दोस्तों का चुनाव करते हैं, जो उनकी पसंद की बातें ही बोलते हैं। वे इस बात को अच्छी तरह जानते है कि उसके दोस्त सच्चे नहीं हैं, फिर भी खुद को धोखा देते है। सच्ची आलोचना तकलीफ़देह हो सकती है। अगर हमारा परिचय बहुत सारे लोगों से हो, मगर दोस्त बहुत ही कम हों, तो रुक कर अपने रिश्तों को गहराई से परखें।

एक छोटा बच्चा अपनी माँ ने नाराज़ होकर चिल्लाने लगा, ''मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ।'' उसके बाद वह फटकारे जाने के डर से घर से भाग गया। वह पहाड़ियों के पास जाकर चीख़ने लगा, ''मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ, मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ''। और वहीं आवाज़ गूँजी, ''मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ, मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ।'' उसने ज़िंदगी में पहली बार कोई गूँज सुनी थी। वह डर कर बचाव के लिए अपनी माँ के पास भागा, और बोला, घाटी में एक बुरा बच्चा है जो चिल्लाता है, ''मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ, मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ।'' उसकी माँ सारी बात समझ गई, और उसने अपने बेटे से कहा कि वह पहाड़ी पर जा कर फिर से चिल्ला कर कहे, ''मैं तुम्हें प्यार करता हूँ, मैं तुम्हें प्यार करता हूँ।'' छोटा बच्चा वहाँ गया और चिल्लाया, ''मैं तुम्हें प्यार करता हूँ, मैं तुम्हें प्यार करता हूँ'' और वही आवाज़ गूँजी। इस घटना से बच्चे को एक सीख़ मिली – हमारा जीवन एक गूँज की तरह है। हमें वही वापस मिलता है, जो हम देते हैं।

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Nirmal & Mrs. Ratan Lal Sharma
Pitampura, Delhi - 34

Mr. K.C. & Mrs. Prem Nijhavan
Janakpuri, Delhi

Mr. J.K. Gupta & Mrs. Saroj Gupta
Pitampura, Delhi - 34

Mr. Sarvesh & Lt. Mrs. Premlata Rajpoor
Shalimar Bagh, Delhi

Mr. Buddhivinayak & Mrs. Bhagwati Devi
Joshi, Alwar (Raj.)

Mr. Chandra Shekhar Prasad & Mrs. Rajmuni
Devi, Aurangabad (Bihar)

Mr. Mahendra Kumar & Mr. Shakuntala Jain

Dr. Balkrishna & Mrs. Chandrakala Mundara
Mumbai

Mr. Prahalad Narayan & Mrs. Chandra Kanta Tiwari
Alwar (Raj.)

Mr. Jayendra & Mrs. Padma Parikh
Mumbai

Mr. Gangaram & Mrs. Ayodhya Devi Malviya
Indore (MP)

Mr. S.S. Rawat & Wife
Dehradun

Mr. Ghanshyam Singh & Mrs. Kamla Devi Rathore
Mehasana (Gujarat)

Mr. Badriprasad & Mrs. Vidhya Gupta
Kanpur

Lt. Mrs. Ramba Bai Mutha
Chennai

Mrs. Mamta Ben Dave
Jabalpur (MP)

Lt. Mr. Ashok S/o Rajendra
Samriya, Ahmedabad (Guj.)

Mrs. Shakuntala Devi
Uttam Nagar, Delhi - 59

Mrs. Kamla Arora
Mayur Vihar, Delhi - 91

Lt. Mr. Jaini Lal Jain
Muniraka, Delhi

Mr. Parmeshwar Lal Sabu
Kolkata

Mr. Rakesh Singhal
Shriganganagar (Raj.)

Dr. Monika Raijara
Agra

Mr. Mohan Lal Agrawal
Shriganganagar (Raj.)

Miss. Aaradhya Sharma
Mathura (UP)

Mr. Jaykishan Gupta
Alwar (Raj.)

Mr. Rajendra Pal Sharma
Alwar (Raj.)

Mr. Roop Singh
Mandi (HP)

Mr. Geetansh
S/o Vinod Sharma, Mumbai

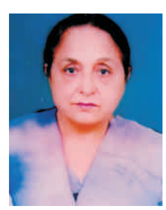

Mrs. Guljit Kaur Anand
New Delhi

Mr. Mukut Bihari Lal
Khandelwal, Ajmer

OUR CHIEF PATRON VISITS TARA SANSTHAN

Shri N.P. Bhargava, prominent philanthropist (Delhi) and Chief Patron of Tara Sansthan visited Tara Sansthan on March 07, 2014. Shri Bhargava was in Udaipur between 5– 10 March, 2014. He was accompanied by his wife Smt. Pushpa Bhargava and Smt. Tarla Ben Shah of Mumbai. Shri Bhargava sponsored a cataract detection-cum-selection for operation camp in sacred memory of his late son Shri Shikhar Bhargava on March 08, 2014 at Magan Lal Jethanand Govt. Public Hospital at Menar (Udaipur). Over 250 patients benefitted in the camp, of which 10 patients were selected and operated for cataract. Shri N.P. Bhargava and Smt. Pushpa Bhargava interacted with the inmates of Anand Vriddhashram and cataract patients at Tara Netralaya. The Bhargavas blessed Tara family and assured them of all possible help to strengthen humanitarian service endeavors of Tara Sansthan.

HOMAGE TO LATE KUSUM CHOUDHARY

Tara Sansthan is in deep grief over the sad demise of Kusum Choudhary, the elder sister of our Patron Shri Satya Bhushan Jain on 8th March, 2014. She was born on 11th November, 1951. Tara Sansthan family offers deep-felt homage to the departed soul and condolences to the bereaved family.

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	**IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750	**IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	**IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491	**IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426	**IFS Code : hdfc0001273**
Canara Bank A/c No. 0169101056462	**IFS Code : cnrb0000169**
Central Bank of India A/c No. 3309973967	**IFS Code : cbin0283505**

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org
Pan Card No. Tara - AABTT8858J

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59

DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya
+91 9560626661, 011-25357026

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401104 (M.S.) INDIA

MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya
Shankar Singh Rathore +91 8452835042
022 - 28480001

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, अप्रैल, 2014

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	MA T.V. (UK) 'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

बुक पोस्ट

बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org